संदेश

लोहड़ी, मकर संक्रान्ति, पोंगल, भोगाली बिहु, उत्तरायण और पौष पर्व के अवसर पर मैं, देश और विदेश में रह रहे सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

हमारे देश के अधिकांश पर्व और त्योहार प्रकृति एवं कृषि के साथ हमारे अभिन्न संबंध के प्रतीक हैं। शरद ऋतु के बीतने के साथ ही सुहावनी बसंत ऋतु आती है और फसल कटाई की शुरुआत होने लगती है। धरती की इस अनूठी देन से हर्षित होकर देश भर में उत्सव के रूप में मनाए जाने वाले ये त्योहार, प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देते हैं। ये त्योहार, भारत की विविधता का ही नहीं बल्कि, उस विविधता में एकता का भी मनोरम उदाहरण हैं।

मेरी कामना है कि इन त्योहारों के माध्यम से लोगों में परस्पर भाईचारे की भावना और प्रगाढ़ हो तथा देश में समृद्धि व खुशहाली बढ़े।

****